INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date :04.08.26
प्रश्नोत्तर	Topic: पाठ 4 'हरिद्वार'	Note: Pls. write in your Hindi note book

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पाठ 'हरिद्वार' के लेखक कौन हैं?

उत्तर: पाठ 'हरिद्वार' के लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र हैं l

प्रश्न 2. भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हरिद्वार की यात्रा किस वर्ष की थी?

उत्तर: उन्होंने हरिद्वार की यात्रा सन् 1871 ई. में की थी l

प्रश्न 3. यह यात्रा-वृत्तांत किस पत्रिका के संपादक को पत्र के रूप में भेजा गया था?

उत्तर: यह पत्र 'कविवचन सुधा' पत्रिका के संपादक को लिखा गया था l

प्रश्न 4. हरिद्वार किस राज्य में स्थित है?

उत्तर: हरिद्वार भारत के उत्तराखंड राज्य में स्थित है l

प्रश्न 5. हरिद्वार में स्नान के लिए कौन-सा मुख्य पक्का घाट है?

उत्तर: हरिद्वार में स्नान के लिए 'हरि की पैड़ी' मुख्य पक्का घाट हैl

प्रश्न 6. लेखक हरिद्वार यात्रा में किसके बंगले पर ठहरे थे?

उत्तर: लेखक दीवान कृपा राम के घर के ऊपर बने बंगले पर ठहरे थे l

प्रश्न 7. हरिद्वार में कौन-से पाँच मुख्य तीर्थ क्षेत्र माने गए हैं?

उत्तर: हरिद्वार, कुशावर्त्त, नीलधारा, विल्वपर्वत और कनखल।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक ने हरिद्वार के वृक्षों की तुलना साधुओं से क्यों की है?

उत्तर: लेखक के अनुसार, बड़े-बड़े वृक्ष एक पैर पर खड़े होकर धूप, ओस और वर्षा को सहते हैं। वे मनुष्यों को फल, फूल, छाया, लकड़ी और राख तक देकर उनकी हर मनोकामना पूरी करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे साधु परोपकार करते हैं।

प्रश्न 2 लेखक ने हरिद्वार का प्राकृतिक सौंदर्य किस प्रकार वर्णित किया है?

उत्तर:लेखक के अनुसार यह भूमि तीनों ओर से हरे-भरे पर्वतों से घिरी हुई है। यहाँ आकर गंगा दो धाराओं में बँट जाती है। गंगा के स्वच्छ जल में अनेक प्रकार के जल-जीव और कीड़े दिखाई देते हैं। हरिद्वार का प्राकृतिक वातावरण अत्यंत सुंदर, शांत और मनोहारी है।

प्रश्न 3 लेखक ने गंगा-जल का रंग, स्वाद और प्रवाह कैसा बताया है?

उत्तर:लेखक ने गंगा के जल का रंग स्वच्छ और श्वेत, स्वाद अत्यंत मीठा और शीतल तथा उसका प्रवाह अत्यंत तीव्र बताया है।

प्रश्न 4 'हरि की पैड़ी' क्या है और इसका क्या महत्त्व है?

उत्तर:'हरि की पैड़ी' हरिद्वार का प्रसिद्ध पक्का घाट है, जहाँ श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं। लेखक के

अनुसार यहाँ केवल श्री गंगा जी की ही पूजा होती है, किसी अन्य देवता की नहीं।

प्रश्न 5 कनखल तीर्थ का धार्मिक और पौराणिक महत्त्व क्या है?
उत्तर:किसी काल में राजा दक्ष ने यहाँ यज्ञ किया था, जिसमें शिवजी का अपमान किया गया था। इसे देखकर माता सती सहन नहीं कर सकीं और उन्होंने यज्ञ-कुंड में आत्मदाह कर लिया।

प्रश्न 6 लेखक ने वृक्षों की उपमा किनके साथ की है और क्यों?
उत्तर:लेखक ने वृक्षों की तुलना तपस्या करते साधुओं से की है, क्योंकि साधुओं की भाँति वृक्ष भी घाम , ओस और वर्षा अपने ऊपर सहते हैं।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
प्रश्न 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र के अनुसार यात्राओं का शिक्षा और जीवन में क्या महत्व है?
उत्तर: भारतेंदु हरिश्चंद्र का मानना था कि शिक्षा केवल पुस्तकों को पढ़ने से पूरी नहीं होती, बल्कि यात्राओं से भी ज्ञान प्राप्त होता है। यात्रा करने से हमें देश की प्रकृति, इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व को करीब से समझने का अवसर मिलता है। यात्राएँ मनुष्य के मन को प्रसन्न, निर्मल और विचारशील बनाती हैं।
प्रश्न 2. 'हरिद्वार' पाठ के आधार पर हरि की पैड़ी और कुशावर्त्त घाट का क्या महत्व है?
उत्तर: पाठ में हरिद्वार के मुख्य धार्मिक स्थलों और घाटों का विस्तार से वर्णन किया गया है:

•हरि की पैड़ी: यह हरिद्वार का सबसे प्रसिद्ध और मुख्य पक्का घाट है। यहाँ लोग बड़ी श्रद्धा से गंगा स्नान करते हैं। यहाँ स्नान करने का अत्यंत धार्मिक महत्व माना जाता है।

•कुशावर्त्त घाट: यह हरिद्वार के मुख्य पाँच तीर्थ क्षेत्रों में से एक माना गया है। यहाँ की खास बात यह है कि इस स्थान पर उगने वाली कुशा (घास) में दालचीनी और जावित्री जैसी प्राकृतिक सुगंध आती है।

प्रश्न 3. लेखक ने हरिद्वार यात्रा के दौरान अपनी गंगा किनारे की भोजन यात्रा का क्या अनुभव बताया है?
उत्तर: लेखक ने हरिद्वार में गंगा किनारे बिताए पलों और भोजन का बहुत ही सुंदर अनुभव साझा किया है:

- लेखक ने अपने साथियों के साथ गंगा तट पर किसी थाली के बजाय सीधे पत्थरों पर भोजन परोसकर खाया था।
- भोजन करते समय गंगा की ठंडी और पवित्र जलधारा उनके पास से होकर बह रही थी, जिससे आसपास का माहौल अत्यंत सुखद था।
- वातावरण में प्राकृतिक शांति और भक्ति का ऐसा प्रभाव था कि लेखक ने कहा कि इस पत्थर पर बैठकर खाने का सुख सोने की थाली में मिलने वाले भोजन से भी कहीं अधिक आनंददायक था।